

Hritik Roshan(Year 2019-2020)

Model: 2-Gold-Varshaphal-Plan

SrNo: 112-114-105-1023 / 508

Date: 07/11/2019

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
10/01/1974 : _____ जन्म तिथि _____ : 10-11/01/2019
गुरुवार : _____ दिन _____ : गुरु-शुक्रवार
घंटे 12:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 00:49:20 घंटे
घटी 11:54:11 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 43:57:31 घटी
India : _____ देश _____ : India
Mumbai : _____ स्थान _____ : Mumbai
उत्तर 18:58:00 : _____ अक्षांश _____ : 18:58:00 उत्तर
पूर्व 72:50:00 : _____ रेखांश _____ : 72:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
07:14:19 : _____ सूर्योदय _____ : 07:14:19
18:17:17 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:17:59
23:29:58 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:07:08
मीन : _____ लग्न _____ : कन्या
गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
कर्क : _____ राशि _____ : कुम्भ
चन्द्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
आश्लेषा : _____ नक्षत्र _____ : शतभिषा
बुध : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
2 : _____ चरण _____ : 4
प्रीति : _____ योग _____ : व्यतिपात
वणिज : _____ करण _____ : बव
डू-डूंगरमल : _____ जन्म नामाक्षर _____ : सू-सुगन्धा
मकर : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मकर
विप्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
जलचर : _____ वश्य _____ : मानव
मार्जार : _____ योनि _____ : अश्व
राक्षस : _____ गण _____ : राक्षस
अन्त्य : _____ नाडी _____ : आद्य
श्वान : _____ वर्ग _____ : मेष
45 : _____ गत / तत्कालिक वर्ष _____ : 46

Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

Email: care@pandit.com

जन्म – विवरण

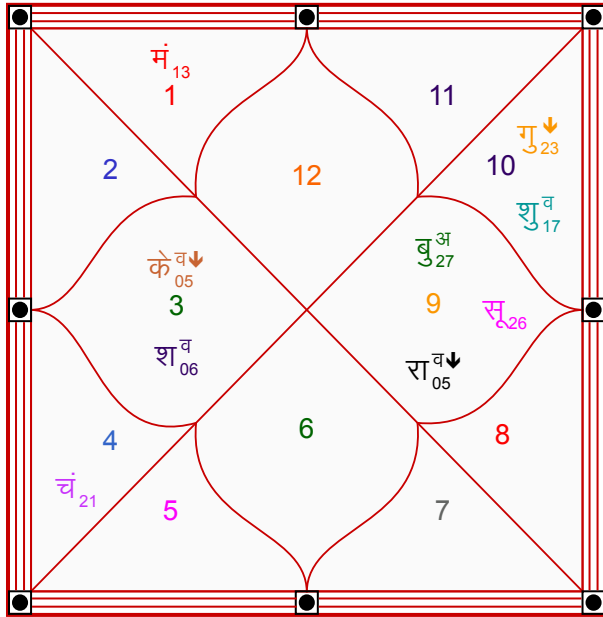
वर्ष – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
रेवती	1	18:55:35	मीन			लग्न			कन्या	27:18:05	2	चित्रा
पूर्वाषाढा	4	26:08:06	धनु			सूर्य			धनु	26:08:06	4	पूर्वाषाढा
आश्लेषा	2	20:53:31	कर्क			चंद्र			कुंभ	17:29:36	4	शतभिषा
अश्विनी	4	12:37:35	मेष			मंगल			मीन	12:25:30	3	उ०भाद्रपद
उत्तराषाढा	1	26:42:18	धनु	अ		बुध	अ	धनु		14:27:52	1	पूर्वाषाढा
श्रवण	4	22:58:23	मक			गुरु			वृश्चि	19:40:05	1	ज्येष्ठा
श्रवण	3	16:50:31	मक	व		शुक्र			वृश्चि	09:20:26	2	अनुराधा
मृगशिरा	4	06:19:01	मिथु	व		शनि	अ	धनु		18:24:55	2	पूर्वाषाढा
मूल	2	05:00:22	धनु	व		राहु			कर्क	02:37:51	4	पुनर्वसु
मृगशिरा	4	05:00:22	मिथु	व		केतु			मक	02:37:51	2	उत्तराषाढा
चित्रा	4	04:03:29	तुला			मु	अ	धनु		18:55:35	2	पूर्वाषाढा

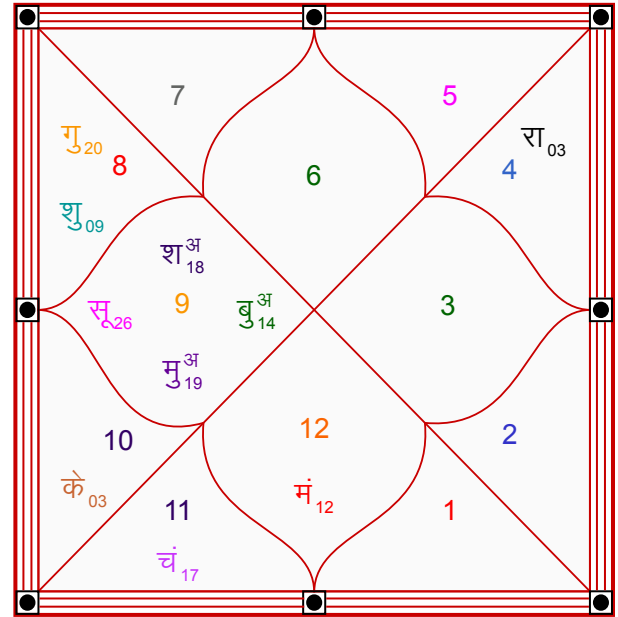
व – वकी स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:08

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



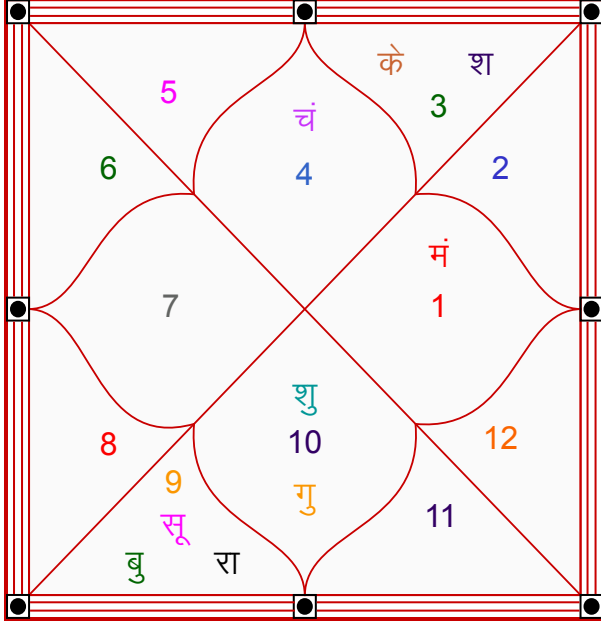
Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

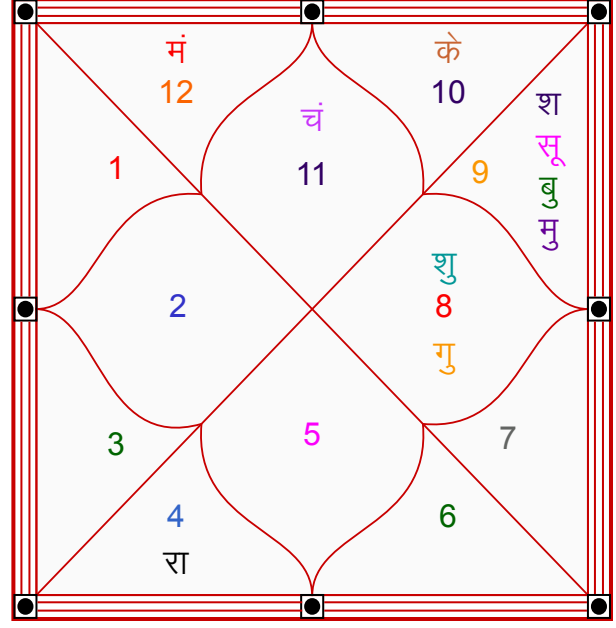
Phone: +91-70351-70351

Email: care@pandit.com

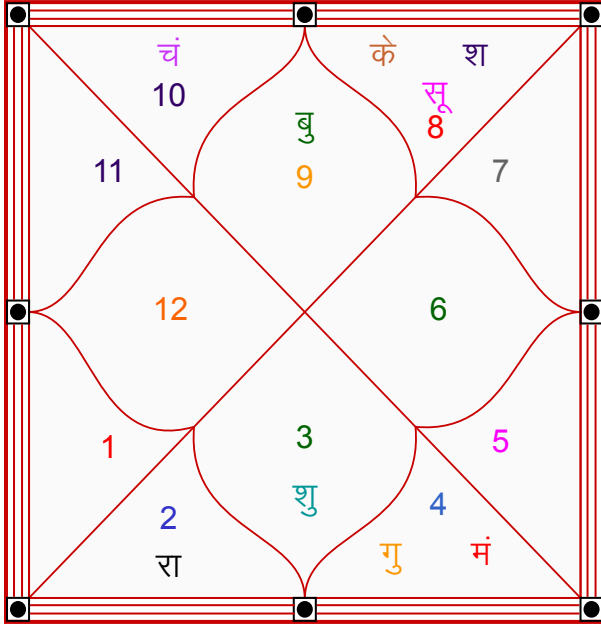
चन्द्र कुंडली



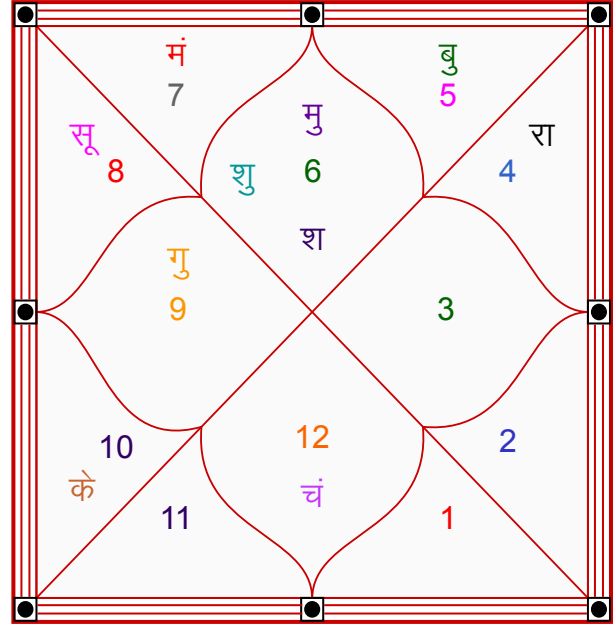
वर्ष चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



वर्ष नवमांश कुंडली



मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम	शत्रु
चन्द्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	शत्रु	सम	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	सम	सम	शत्रु
गुरु	सम	शत्रु	मित्र	सम	---	शत्रु	सम
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	---	सम
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कन्या	धनु	कुंभ	मीन	धनु	वृश्चि	वृश्चि	धनु
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	कन्या	कुंभ	मिथु	मीन	कर्क	सिंह	वृश्चि	कर्क
चतुर्थांश	मिथु	कन्या	सिंह	मिथु	मीन	वृष	कुंभ	मिथु
पंचमांश	वृश्चि	तुला	धनु	मीन	धनु	मक	कन्या	मिथु
षष्ठांश	मीन	कन्या	कर्क	धनु	मिथु	मक	वृश्चि	कर्क
सप्तमांश	कन्या	मिथु	मिथु	वृश्चि	मीन	कन्या	कर्क	मेष
अष्टमांश	धनु	वृश्चि	धनु	सिंह	सिंह	मक	तुला	कन्या
नवमांश	कन्या	वृश्चि	मीन	तुला	सिंह	धनु	कन्या	कन्या
दशमांश	कुंभ	सिंह	कर्क	मीन	मेष	मक	तुला	मिथु
एकादशांश	मिथु	सिंह	कर्क	मिथु	मेष	वृष	मक	वृष
द्वादशांश	कर्क	तुला	सिंह	कर्क	वृष	मिथु	कुंभ	कर्क

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	मित्र	मित्र	सम	मित्र	मित्र	सम
होरा	मित्र	स्व	सम	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	मित्र	मित्र
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	सम	शत्रु
पंचमांश	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
षष्ठांश	शत्रु	स्व	मित्र	स्व	सम	मित्र	मित्र
सप्तमांश	शत्रु	मित्र	स्व	सम	सम	शत्रु	शत्रु
अष्टमांश	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	स्व	शत्रु
नवमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	सम	शत्रु
दशमांश	स्व	स्व	मित्र	शत्रु	सम	स्व	शत्रु
एकादशांश	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम
द्वादशांश	सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	मित्र
शुभ	3	9	7	2	2	5	4
सम	3	0	2	5	8	5	2
अशुभ	6	3	3	5	2	2	6
कुल	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	सम	शुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	0	0	0	0	5	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	5	0	5	0	10	5
बल	क्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	22.50	22.50	15.00	22.50	22.50	15.00
उच्च बल	8.46	11.61	15.06	10.06	5.04	4.70	13.51
हृदय बल	3.75	3.75	11.25	7.50	15.00	15.00	3.75
द्रेष्काण	2.50	7.50	7.50	7.50	5.00	7.50	7.50
नवमांश	1.25	1.25	3.75	1.25	5.00	2.50	1.25
कुल	30.96	46.61	60.06	41.31	52.54	52.20	41.01
विंशोपक	7.74	11.65	15.02	10.33	13.13	13.05	10.25
बल	सामान्य	शुभ	बली	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	13.13	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	10.33	अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	13.13	शुभ	शुक्र
दिवापति	शनि	10.25	अशुभ	
त्रिराशिपति	शुक्र	13.05	शुभ	

Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

Email: care@pandit.com

पात्यंश दशा

शुक्र	मंगल	बुध	चंद्र	शनि
11/01/2019	15/05/2019	26/06/2019	23/07/2019	02/09/2019
15/05/2019	26/06/2019	23/07/2019	02/09/2019	14/09/2019
शुक्र 22/02/2019	मंगल 20/05/2019	बुध 28/06/2019	चंद्र 28/07/2019	शनि 02/09/2019
मंगल 08/03/2019	बुध 23/05/2019	चंद्र 01/07/2019	शनि 29/07/2019	गुरु 03/09/2019
बुध 18/03/2019	चंद्र 28/05/2019	शनि 02/07/2019	गुरु 31/07/2019	सूर्य 05/09/2019
चंद्र 01/04/2019	शनि 29/05/2019	गुरु 03/07/2019	सूर्य 09/08/2019	लग्न 06/09/2019
शनि 05/04/2019	गुरु 31/05/2019	सूर्य 09/07/2019	लग्न 11/08/2019	शुक्र 10/09/2019
गुरु 11/04/2019	सूर्य 10/06/2019	लग्न 11/07/2019	शुक्र 25/08/2019	मंगल 12/09/2019
सूर्य 10/05/2019	लग्न 12/06/2019	शुक्र 20/07/2019	मंगल 30/08/2019	बुध 13/09/2019
लग्न 15/05/2019	शुक्र 26/06/2019	मंगल 23/07/2019	बुध 02/09/2019	चंद्र 14/09/2019

गुरु	सूर्य	लग्न	लग्न	लग्न
14/09/2019	01/10/2019	26/12/2019	26/12/2019	26/12/2019
01/10/2019	26/12/2019	11/01/2020	11/01/2020	11/01/2020
गुरु 15/09/2019	सूर्य 21/10/2019	लग्न 27/12/2019	लग्न 27/12/2019	लग्न 27/12/2019
सूर्य 19/09/2019	लग्न 25/10/2019	शुक्र 01/01/2020	शुक्र 01/01/2020	शुक्र 01/01/2020
लग्न 19/09/2019	शुक्र 23/11/2019	मंगल 03/01/2020	मंगल 03/01/2020	मंगल 03/01/2020
शुक्र 25/09/2019	मंगल 03/12/2019	बुध 04/01/2020	बुध 04/01/2020	बुध 04/01/2020
मंगल 27/09/2019	बुध 10/12/2019	चंद्र 06/01/2020	चंद्र 06/01/2020	चंद्र 06/01/2020
बुध 28/09/2019	चंद्र 19/12/2019	शनि 06/01/2020	शनि 06/01/2020	शनि 06/01/2020
चंद्र 30/09/2019	शनि 22/12/2019	गुरु 07/01/2020	गुरु 07/01/2020	गुरु 07/01/2020
शनि 01/10/2019	गुरु 26/12/2019	सूर्य 11/01/2020	सूर्य 11/01/2020	सूर्य 11/01/2020

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र	
11/01/2019		03/03/2019		25/03/2019		24/05/2019		12/06/2019	
03/03/2019		25/03/2019		24/05/2019		12/06/2019		12/07/2019	
बुध	18/01/2019	केतु	05/03/2019	शुक्र	04/04/2019	सूर्य	25/05/2019	चंद्र	14/06/2019
केतु	21/01/2019	शुक्र	08/03/2019	सूर्य	07/04/2019	चंद्र	27/05/2019	मंगल	16/06/2019
शुक्र	30/01/2019	सूर्य	09/03/2019	चंद्र	12/04/2019	मंगल	28/05/2019	राहु	21/06/2019
सूर्य	01/02/2019	चंद्र	11/03/2019	मंगल	15/04/2019	राहु	31/05/2019	गुरु	25/06/2019
चंद्र	05/02/2019	मंगल	12/03/2019	राहु	25/04/2019	गुरु	02/06/2019	शनि	29/06/2019
मंगल	08/02/2019	राहु	15/03/2019	गुरु	03/05/2019	शनि	05/06/2019	बुध	04/07/2019
राहु	16/02/2019	गुरु	18/03/2019	शनि	12/05/2019	बुध	08/06/2019	केतु	06/07/2019
गुरु	23/02/2019	शनि	22/03/2019	बुध	21/05/2019	केतु	09/06/2019	शुक्र	11/07/2019
शनि	03/03/2019	बुध	25/03/2019	केतु	24/05/2019	शुक्र	12/06/2019	सूर्य	12/07/2019

मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध	
12/07/2019		02/08/2019		26/09/2019		14/11/2019		11/01/2020	
02/08/2019		26/09/2019		14/11/2019		11/01/2020		00/00/0000	
मंगल	13/07/2019	राहु	11/08/2019	गुरु	03/10/2019	शनि	23/11/2019	बुध	11/01/2020
राहु	17/07/2019	गुरु	18/08/2019	शनि	10/10/2019	बुध	01/12/2019		00/00/0000
गुरु	19/07/2019	शनि	27/08/2019	बुध	17/10/2019	केतु	05/12/2019		00/00/0000
शनि	23/07/2019	बुध	03/09/2019	केतु	20/10/2019	शुक्र	14/12/2019		00/00/0000
बुध	26/07/2019	केतु	07/09/2019	शुक्र	28/10/2019	सूर्य	17/12/2019		00/00/0000
केतु	27/07/2019	शुक्र	16/09/2019	सूर्य	31/10/2019	चंद्र	22/12/2019		00/00/0000
शुक्र	31/07/2019	सूर्य	18/09/2019	चंद्र	04/11/2019	मंगल	25/12/2019		00/00/0000
सूर्य	01/08/2019	चंद्र	23/09/2019	मंगल	07/11/2019	राहु	03/01/2020		00/00/0000
चंद्र	02/08/2019	मंगल	26/09/2019	राहु	14/11/2019	गुरु	11/01/2020		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - मंगल - केतु		चंद्र - मंगल - शुक्र		चंद्र - मंगल - सूर्य		चंद्र - मंगल - चंद्र	
06/11/2019 09:43		18/11/2019 20:00		24/12/2019 08:15		03/01/2020 23:55	
18/11/2019 20:00		24/12/2019 08:15		03/01/2020 23:55		21/01/2020 18:03	
केतु	07/11/2019 03:07	शुक्र	24/11/2019 18:02	सूर्य	24/12/2019 21:02	चंद्र	05/01/2020 11:26
शुक्र	09/11/2019 04:49	सूर्य	26/11/2019 12:39	चंद्र	25/12/2019 18:20	मंगल	06/01/2020 12:17
सूर्य	09/11/2019 19:44	चंद्र	29/11/2019 11:40	मंगल	26/12/2019 09:15	राहु	09/01/2020 04:12
चंद्र	10/11/2019 20:36	मंगल	01/12/2019 13:23	राहु	27/12/2019 23:36	गुरु	11/01/2020 13:01
मंगल	11/11/2019 14:00	राहु	06/12/2019 21:13	गुरु	29/12/2019 09:42	शनि	14/01/2020 08:30
राहु	13/11/2019 10:44	गुरु	11/12/2019 14:51	शनि	31/12/2019 02:10	बुध	16/01/2020 20:52
गुरु	15/11/2019 02:31	शनि	17/12/2019 05:48	बुध	01/01/2020 14:24	केतु	17/01/2020 21:43
शनि	17/11/2019 01:44	बुध	22/12/2019 06:32	केतु	02/01/2020 05:19	शुक्र	20/01/2020 20:44
बुध	18/11/2019 20:00	केतु	24/12/2019 08:15	शुक्र	03/01/2020 23:55	सूर्य	21/01/2020 18:03
चंद्र - राहु - राहु		चंद्र - राहु - गुरु		चंद्र - राहु - शनि		चंद्र - राहु - बुध	
21/01/2020 18:03		12/04/2020 22:24		24/06/2020 23:36		19/09/2020 17:31	
12/04/2020 22:24		24/06/2020 23:36		19/09/2020 17:31		06/12/2020 08:18	
राहु	03/02/2020 01:54	गुरु	22/04/2020 16:09	शनि	08/07/2020 17:14	बुध	30/09/2020 17:25
गुरु	14/02/2020 00:53	शनि	04/05/2020 05:45	बुध	21/07/2020 00:10	केतु	05/10/2020 06:05
शनि	27/02/2020 01:10	बुध	14/05/2020 14:07	केतु	26/07/2020 01:37	शुक्र	18/10/2020 04:32
बुध	09/03/2020 16:35	केतु	18/05/2020 20:23	शुक्र	09/08/2020 12:36	सूर्य	22/10/2020 01:41
केतु	14/03/2020 11:38	शुक्र	31/05/2020 00:35	सूर्य	13/08/2020 20:42	चंद्र	28/10/2020 12:55
शुक्र	28/03/2020 04:22	सूर्य	03/06/2020 16:15	चंद्र	21/08/2020 02:12	मंगल	02/11/2020 01:34
सूर्य	01/04/2020 06:59	चंद्र	09/06/2020 18:21	मंगल	26/08/2020 03:39	राहु	13/11/2020 16:59
चंद्र	08/04/2020 03:21	मंगल	14/06/2020 00:37	राहु	08/09/2020 03:56	गुरु	24/11/2020 01:21
मंगल	12/04/2020 22:24	राहु	24/06/2020 23:36	गुरु	19/09/2020 17:31	शनि	06/12/2020 08:18
चंद्र - राहु - केतु		चंद्र - राहु - शुक्र		चंद्र - राहु - सूर्य		चंद्र - राहु - चंद्र	
06/12/2020 08:18		07/01/2021 07:19		08/04/2021 14:49		06/05/2021 00:16	
07/01/2021 07:19		08/04/2021 14:49		06/05/2021 00:16		20/06/2021 16:01	
केतु	08/12/2020 05:02	शुक्र	22/01/2021 12:34	सूर्य	09/04/2021 23:42	चंद्र	09/05/2021 19:35
शुक्र	13/12/2020 12:53	सूर्य	27/01/2021 02:09	चंद्र	12/04/2021 06:29	मंगल	12/05/2021 11:30
सूर्य	15/12/2020 03:14	चंद्र	03/02/2021 16:46	मंगल	13/04/2021 20:50	राहु	19/05/2021 07:52
चंद्र	17/12/2020 19:09	मंगल	09/02/2021 00:37	राहु	17/04/2021 23:27	गुरु	25/05/2021 09:58
मंगल	19/12/2020 15:53	राहु	22/02/2021 17:20	गुरु	21/04/2021 15:07	शनि	01/06/2021 15:28
राहु	24/12/2020 10:57	गुरु	06/03/2021 21:32	शनि	25/04/2021 23:12	बुध	08/06/2021 02:41
गुरु	28/12/2020 17:13	शनि	21/03/2021 08:31	बुध	29/04/2021 20:21	केतु	10/06/2021 18:37
शनि	02/01/2021 18:40	बुध	03/04/2021 06:59	केतु	01/05/2021 10:42	शुक्र	18/06/2021 09:14
बुध	07/01/2021 07:19	केतु	08/04/2021 14:49	शुक्र	06/05/2021 00:16	सूर्य	20/06/2021 16:01

सहम

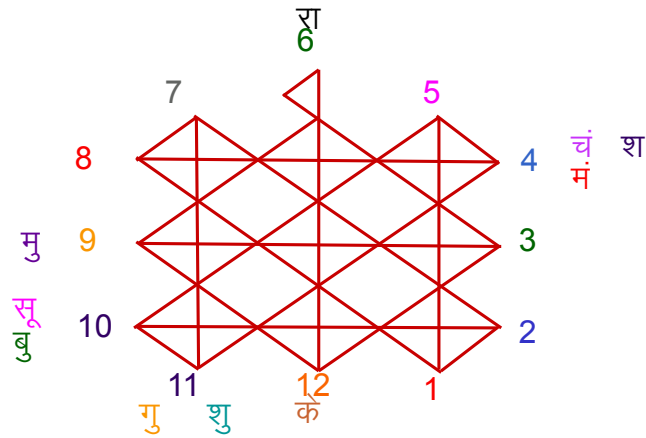
सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकण्ठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	सिंह	05:56:35	सूर्य	03/07/2019
गुरु	धनु	18:39:35	गुरु	12/02/2019
ज्ञान	धनु	18:39:35	गुरु	12/02/2019
यश	कर्क	13:34:35	चन्द्र	08/05/2019
मित्र	कर्क	26:37:26	चन्द्र	19/05/2019
माहात्म्य	वृष	03:47:00	शुक्र	13/07/2019
आशा	सिंह	18:13:36	सूर्य	12/07/2019
समर्थ	मिथुन	29:20:27	बुध	07/07/2019
भातृ	सिंह	28:33:15	सूर्य	20/07/2019
गौरव	मेष	23:57:38	मंगल	26/02/2019
राजा	वृश्चिक	05:01:16	मंगल	24/09/2019
पितृ	वृश्चिक	05:01:16	मंगल	24/09/2019
मातृ	मिथुन	19:08:55	बुध	28/06/2019
सुत	मिथुन	29:28:34	बुध	07/07/2019
जीव	वृश्चिक	26:02:55	मंगल	18/10/2019
अम्बु	मिथुन	19:08:55	बुध	28/06/2019
कर्म	मिथुन	29:20:27	बुध	07/07/2019
रोग	कुम्भ	17:29:36	शनि	14/03/2019
कामदेव	कर्क	24:16:21	चन्द्र	17/05/2019
कलि	कुम्भ	20:03:30	शनि	17/03/2019
क्षेम	कुम्भ	20:03:30	शनि	17/03/2019
शास्त्र	मकर	13:12:42	शनि	06/02/2019
बन्धु	कर्क	24:16:21	चन्द्र	17/05/2019
बंधक	कर्क	24:16:21	चन्द्र	17/05/2019
मृत्यु	मीन	28:04:41	गुरु	04/06/2019

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	वृष	14:58:19	शुक्र	24/07/2019
अर्थ	कन्या	15:07:01	बुध	01/09/2019
परदारा	सिंह	10:30:25	सूर्य	06/07/2019
अन्यकर्म	धनु	26:22:46	गुरु	20/02/2019
वणिक	मकर	00:19:49	शनि	23/01/2019
कार्यसिद्धि	वृश्चिक	11:56:54	मंगल	02/10/2019
विवाह	सिंह	18:13:36	सूर्य	12/07/2019
प्रसूति	कन्या	02:30:17	बुध	21/08/2019
संताप	धनु	28:04:41	गुरु	22/02/2019
श्रद्धा	वृष	24:13:01	शुक्र	03/08/2019
प्रीति	कुम्भ	10:01:05	शनि	06/03/2019
बल	कर्क	13:34:35	चन्द्र	08/05/2019
देह	कर्क	13:34:35	चन्द्र	08/05/2019
जाडय	मेष	08:28:27	मंगल	09/02/2019
व्यापार	मकर	25:15:43	शनि	19/02/2019
जलपतन	मेष	08:28:27	मंगल	09/02/2019
शत्रु	मकर	21:18:40	शनि	15/02/2019
शौर्य	मीन	20:49:10	गुरु	27/05/2019
उपाय	वृश्चिक	26:02:55	मंगल	18/10/2019
दरिद्रता	सिंह	05:56:35	सूर्य	03/07/2019
गुरुता	कुम्भ	11:09:59	शनि	07/03/2019
जलपथ	वृष	23:53:10	शुक्र	03/08/2019
बंधन	मिथुन	14:49:45	बुध	24/06/2019
कन्या	मिथुन	19:08:55	बुध	28/06/2019
अश्व	मीन	06:49:09	गुरु	11/05/2019

वर्ष त्रिपताकी कुंडली



Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

Email: care@pandit.com

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशों के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह बुध (धनु 14:27:52), एवं मन्दगति ग्रह शनि (धनु 18:24:55), के मध्य है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आपको सन्तान से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा जो लोग सन्तति की अपेक्षा कर रहे हैं उन्हें सन्तति की अवश्य प्राप्ति होगी। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा अध्ययन के क्षेत्र में उनको वांछित सफलता मिलेगी। राजनीति में सक्रिय लोग इस समय राजनैतिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अधिकार प्राप्त लोगों से भी सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे वांछित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस समय मामा या माता के संबन्धियों से विशिष्ट लाभ के योग बनेंगे। यदि बीमार चल रहे हैं तो रोग मुक्ति की दृष्टि से यह वर्ष अत्युत्तम रहेगा। साथ ही मुकद्दमे या चुनाव में विजय मिलेगी एवं किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता अर्जित करेंगे। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सफलता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह बुध (धनु 14:27:52), एवं शीघ्र गति ग्रह चंद्र (कुंभ 17:29:36), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में सामान्यतया यह योग अच्छा नहीं माना जाता है। इस योग के प्रभाव से हानि अनावश्यक तनाव तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में बाधाएं आती है। अतः ऐसे समय में आपको किसी भी प्रकार का पूंजीनिवेश नहीं करना चाहिए तथा सट्टे लाटरी या शेयर आदि पर व्यय से बचना चाहिए। साथ ही देश विदेश की लम्बी यात्राओं की भी उपेक्षा करनी चाहिए अन्यथा आपको यात्रा में हानि तनाव या अन्य प्रकार से सामना करना पड़ेगा। अतः बुद्धिमता पूर्वक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह मंगल (मीन 12:25:30), एवं शीघ्र गति ग्रह बुध (धनु 14:27:52), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में सामान्यतया यह योग अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय भाइयों एवं बन्धुओं से मतभेद एवं समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा परस्पर संबंधों में मधुरता में कमी आएगी। साथ ही आप में आत्मविश्वास एवं उत्साह के भाव की भी न्यूनता आएगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में विलम्ब होगा। इस समय संचार सुविधाओं में भी कमी आ सकती है। इसके अतिरिक्त आपको सट्टे लाटरी या शेयर आदि पर पैसा नहीं लगाना चाहिए अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि के अधिक योग बनते हैं। जिसका प्रभाव आर्थिक स्थिति पर होगा इस प्रकार यदि आप धैर्य एवं संयम से कार्य करेंगे तो अशुभफलों में किंचित कमी आ सकती है।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग बुध तथा शुक्र के मध्य है क्योंकि चंद्र शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेंगे। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय हैं वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

यमया योग बुध तथा शुक्र के मध्य है क्योंकि मंगल मन्दगति ग्रह है तथा लग्नेश एवं कार्येश दोनों को देखता है।

इस योग के शुभ प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी यदि नौकरी पर है तो पदोन्नति का अवसर मिलेगा जिससे मान सम्मान एवं अधिकारों की वृद्धि होगी। व्यापार के क्षेत्र में व्यापार में विस्तार होगा अथवा कोई नया कार्य प्रारंभ होगा जिससे भविष्य में लाभ के प्रबल योग बनेंगे। धनार्जन की दृष्टि से वर्ष उत्तम फलदायी होगा। इस समय आपकी आय में वृद्धि होगी तथा आप के आय स्रोत एक से अधिक होंगे जिससे आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रभावशाली लोगों से भी सम्पर्क स्थापित होंगे।

मणरु योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तो मणरु योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग बुध और शनि के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का बुध से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आपसी संबन्धों में मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्थाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो

गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, कूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

रदद योग की सृष्टि बुध एवं शनि के मध्य हो रही है क्योंकि बुध सूर्य से युक्त है

इस योग के शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति में अत्यन्त ही सुदृढ़ता आएगी तथा आय पूर्ण होगी। इस समय आपकी महत्वाकांक्षाएं भी पूर्ण होगी एवं अधिकार सम्पन्न लोगों से सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण रूके हुए कार्य आसानी से सम्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपको अचानक धन लाभ के भी बनते हैं। साथ ही किसी जायदाद की प्राप्ति भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त ज्योतिष एवं पराविद्या के क्षेत्र में आपका रुझान हो सकता है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वग्रह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वग्रही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत

इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश दुर्बल है अतः दुरूपयोग बन रहा है।

इस योग के प्रभाव इस वर्ष आपको स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्त होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस समय अविवाहितों के विवाह होने के भी प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से इस समय आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय हैं उन्हें राजनैतिक लाभ की अवश्य प्राप्ति होगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ माना जाएगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति होगी जिससे मान सम्मान एवं धन की वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए वर्ष उत्तम फलदायक सिद्ध होगा तथा उनके कार्य में विस्तार होगा जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। अतः वर्ष का लाभ उठाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अथ वर्षशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारत्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:—

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शरीर में कष्ट भी उत्पन्न होगा जिससे आपको परेशानी रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में अशान्ति तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। ज्ञानार्जन के प्रति भी इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक आप नवीन शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। मिष्ठान्न इस समय आपको प्रियकर लगेंगे तथा यत्न पूर्वक इनका भक्षण करेंगे जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। इस समय आपका सामाजिक प्रभाव मध्यम रहेगा तथा यथा कदा ही अन्य जन आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आपको समय समय पर परेशानी उत्पन्न होगी तथा उनसे आप चिन्तित रहेंगे। स्त्री पक्ष से भी आप सामान्य सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम ही रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक अल्प मात्रा में ही लाभ एवं उन्नति होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु जीविका कार्य निरन्तर चलने वाला रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। यद्यपि इस समय आपको कष्ट प्राप्त होगा परन्तु उसे छिपाने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे सहयोग तथा लाभ भी अल्प ही रहेगा साथ ही परिश्रम पूर्वक खेल के क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:—

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्धिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊट्यो विभृश्य ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यों को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यों से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबन्ध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

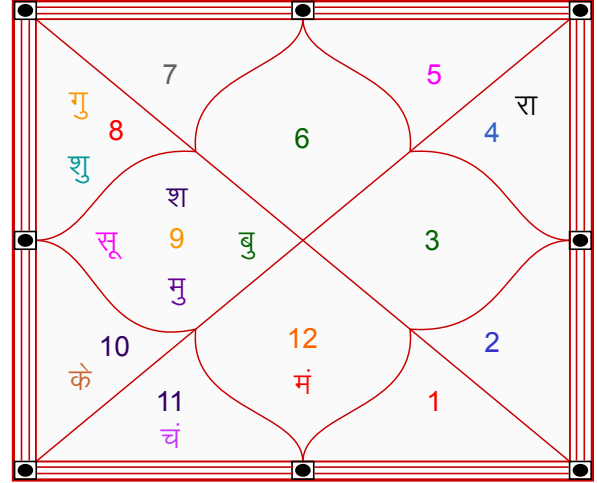
इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रूकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे। फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।

प्रथम मास

11/01/2019 00:49:20 से 09/02/2019 13:08:39 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	चित्रा	27:18:05
सूर्य	धनु	पूर्वाषाढा	26:08:06
चन्द्र	कुम्भ	शतभिषा	17:29:36
मंगल	मीन	उ०भाद्रपद	12:25:30
बुध	धनु	पूर्वाषाढा	14:27:52
गुरु	वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:40:05
शुक्र	वृश्चिक	अनुराधा	09:20:26
शनि	धनु	पूर्वाषाढा	18:24:55
राहु	कर्क	पुनर्वसु	02:37:51
केतु	मकर	उत्तराषाढा	02:37:51
मुंथा	धनु	पूर्वाषाढा	18:55:35

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से वे विभिन्न प्रकार से आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय अनावश्यक रूप से अनबन रहेगी जिससे पारिवारिक वातावरण अशान्त रहेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी आप यदाकदा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास आपके कार्य में मंदी आ सकती है या आपका कोई कार्य छूट सकता है। आपके अन्य समाजिक जनों से विवाद भी हो सकते हैं जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी तथा धनहानि की भी सम्भावना होगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

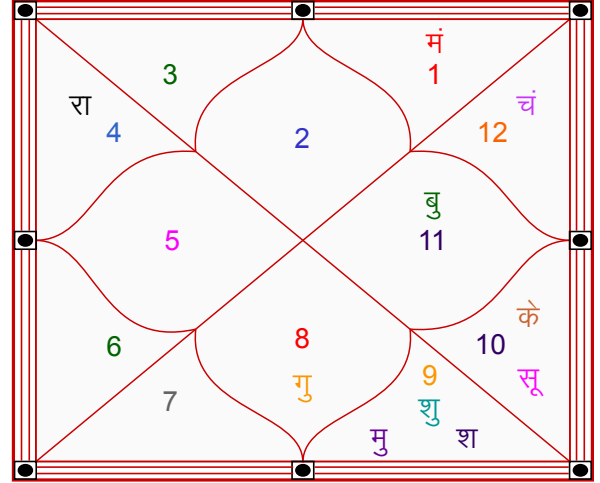
साथ ही इस मास में उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता, मन में सन्तोष एवं बुद्धि की वृद्धि होगी जिससे यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी।

द्वितीय मास

09/02/2019 13:08:39 से 11/03/2019 08:43:04 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृष	रोहिणी	12:04:38
सूर्य	मकर	धनिष्ठा	26:08:06
चन्द्र	मीन	उ०भाद्रपद	14:27:52
मंगल	मेष	अश्विनी	02:24:27
बुध	कुम्भ	धनिष्ठा	03:49:46
गुरु	वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:01:44
शुक्र	धनु	मूल	12:02:57
शनि	धनु	पूर्वाषाढा	21:43:44
राहु	व कर्क	पुनर्वसु	02:25:31
केतु	व मकर	उत्तराषाढा	02:25:31
मुंथा	धनु	पूर्वाषाढा	21:25:35

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

समान्य रूप से इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार से चोरी आदि की घटना भी घटित हो सकती है। साथ ही आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी का अनुभव करेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में अल्पता आएगी तथा स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। इससे शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। साथ ही आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे एवं मुकद्दमे आदि के कार्य में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी पूर्वक ऐसे समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री तथा पुत्र संतति से सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी एवं अन्य प्रकार से भी शान्ति की अनुभूति करेंगे।

Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

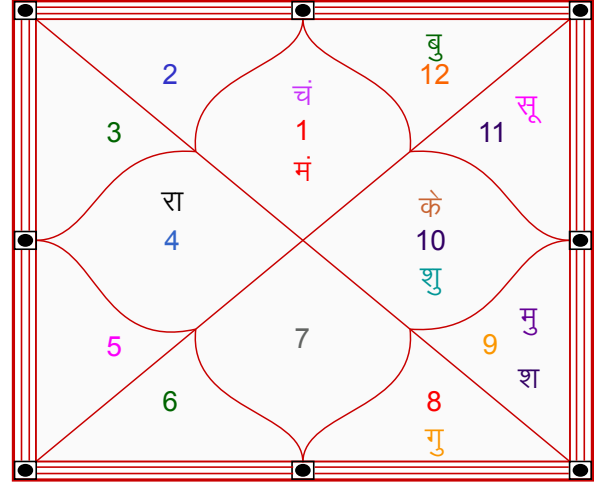
Email: care@pandit.com

तृतीय मास

11/03/2019 08:43:04 से 10/04/2019 15:35:11 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मेष	अश्विनी	00:37:38
सूर्य	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:08:06
चन्द्र	मेष	भरणी	16:21:50
मंगल	मेष	भरणी	22:28:58
बुध	व मीन	उ०भाद्रपद	03:27:52
गुरु	वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:48:14
शुक्र	मकर	श्रवण	17:05:31
शनि	धनु	पूर्वाषाढा	24:26:23
राहु	व कर्क	पुनर्वसु	00:53:49
केतु	व मकर	उत्तराषाढा	00:53:49
मुंथा	धनु	पूर्वाषाढा	23:55:35

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्टता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

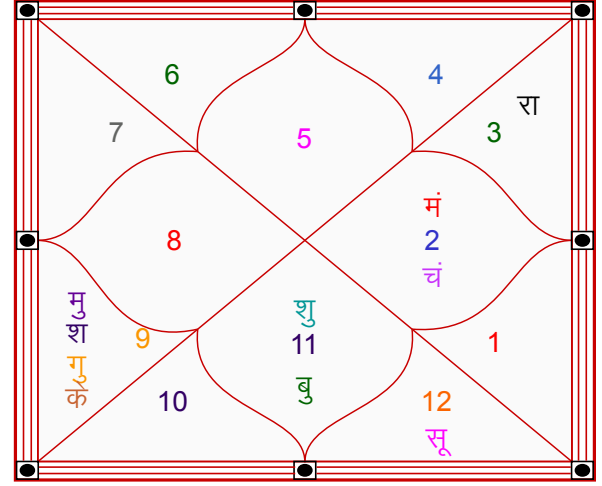
इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास

10/04/2019 15:35:11 से 11/05/2019 10:55:29 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	सिंह	मघा	09:56:56
सूर्य	मीन	रेवती	26:08:06
चन्द्र	वृष	मृगशिरा	26:07:38
मंगल	वृष	रोहिणी	12:35:21
बुध	कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:31:46
गुरु	धनु	मूल	00:13:43
शुक्र	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:28:45
शनि	धनु	पूर्वाषाढा	26:05:00
राहु	व मिथुन	पुनर्वसु	27:57:29
केतु	व धनु	उत्तराषाढा	27:57:29
मुंथा	धनु	पूर्वाषाढा	26:25:35

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

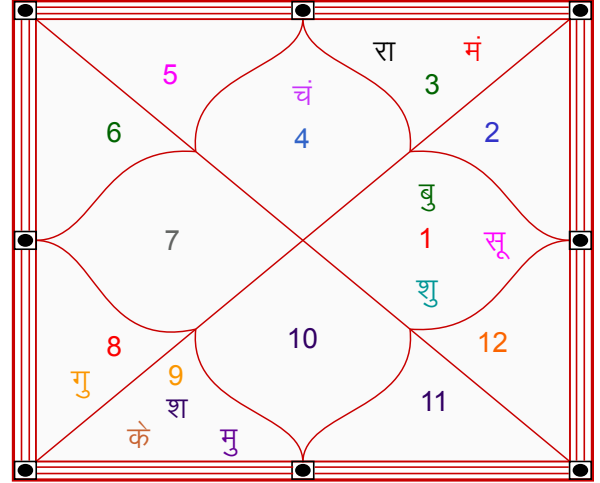
Email: care@pandit.com

पंचम् मास

11/05/2019 10:55:29 से 11/06/2019 16:32:01 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कर्क	पुष्य	04:04:55
सूर्य	मेष	भरणी	26:08:06
चन्द्र	कर्क	पुष्य	15:19:26
मंगल	मिथुन	मृगशिरा	02:42:12
बुध	मेष	भरणी	14:22:46
गुरु	व वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:49:22
शुक्र	मेष	अश्विनी	00:48:03
शनि	व धनु	पूर्वाषाढा	26:17:41
राहु	मिथुन	पुनर्वसु	25:13:54
केतु	धनु	पूर्वाषाढा	25:13:54
मुंथा	धनु	उत्तराषाढा	28:55:35

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। संबंधियों एवं मित्रों से आपके संबंधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

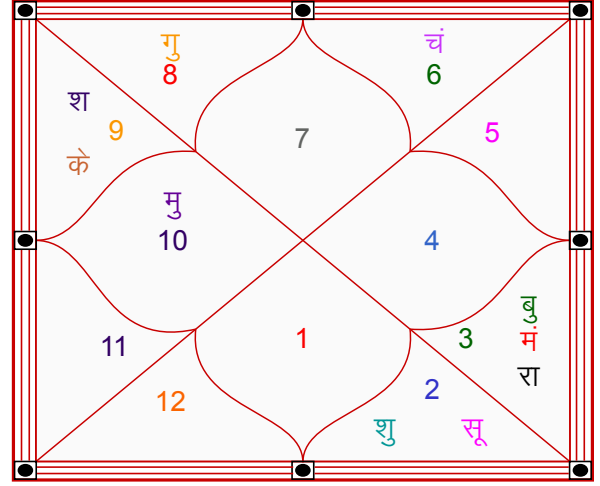
Email: care@pandit.com

षष्ठ मास

11/06/2019 16:32:01 से 13/07/2019 03:15:42 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	विशाखा	20:26:28
सूर्य	वृष	मृगशिरा	26:08:06
चन्द्र	कन्या	हस्त	12:03:58
मंगल	मिथुन	पुनर्वसु	22:47:49
बुध	मिथुन	आर्द्रा	17:15:53
गुरु	व वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:15:05
शुक्र	वृष	कृत्तिका	08:47:29
शनि	व धनु	पूर्वाषाढा	25:02:13
राहु	व मिथुन	पुनर्वसु	23:48:21
केतु	व धनु	पूर्वाषाढा	23:48:21
मुंथा	मकर	उत्तराषाढा	01:25:35

मासाधिपति



मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करेंगे। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबंधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

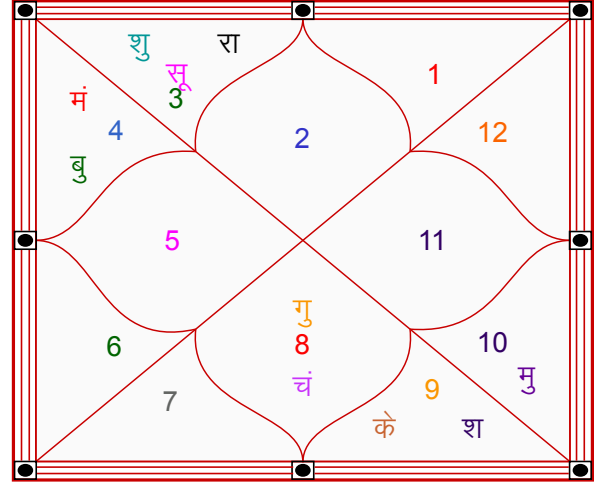
परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास

13/07/2019 03:15:42 से 13/08/2019 12:25:18 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृष	रोहिणी	15:13:44
सूर्य	मिथुन	पुनर्वसु	26:08:06
चन्द्र	वृश्चिक	अनुराधा	09:31:18
मंगल	कर्क	पुष्य	12:49:32
बुध	व कर्क	पुष्य	09:23:51
गुरु	व वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:42:01
शुक्र	मिथुन	आर्द्रा	17:13:55
शनि	व धनु	पूर्वाषाढा	22:51:19
राहु	मिथुन	पुनर्वसु	23:30:53
केतु	धनु	पूर्वाषाढा	23:30:53
मुंथा	मकर	उत्तराषाढा	03:55:35

मासाधिपति



मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश भाग्योदय संबंधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करके अन्य स्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

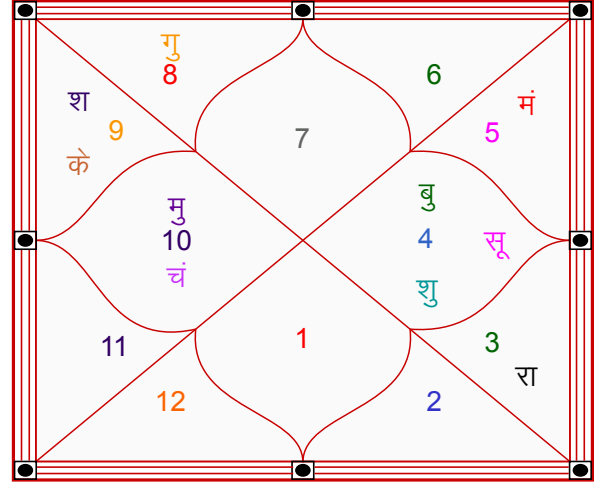
Email: care@pandit.com

अष्टम् मास

13/08/2019 12:25:18 से 13/09/2019 13:47:10 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	विशाखा	20:39:46
सूर्य	कर्क	आश्लेषा	26:08:06
चन्द्र	मकर	उत्तराषाढ़ा	01:30:26
मंगल	सिंह	मघा	02:44:27
बुध	कर्क	पुष्य	07:37:41
गुरु	वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:22:58
शुक्र	कर्क	आश्लेषा	25:52:06
शनि	व धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:47:15
राहु	व मिथुन	पुनर्वसु	23:18:07
केतु	व धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:18:07
मुंथा	मकर	उत्तराषाढ़ा	06:25:35

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबंधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विघ्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

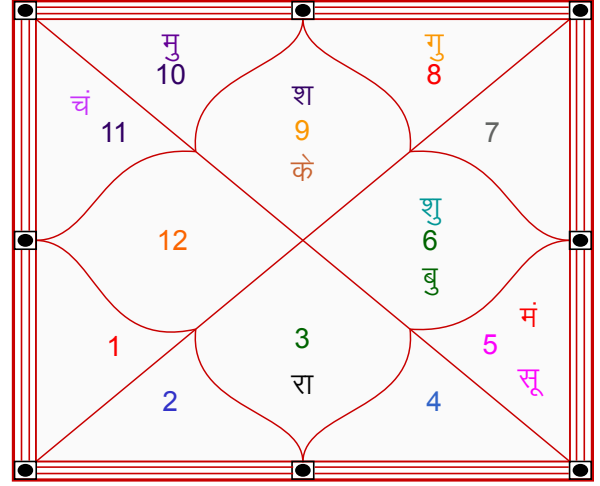
साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

13/09/2019 13:47:10 से 14/10/2019 03:25:19 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	धनु	मूल	06:25:03
सूर्य	सिंह	पू०फाल्गुनी	26:08:06
चन्द्र	कुम्भ	शतभिषा	16:56:38
मंगल	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:30:44
बुध	कन्या	उ०फाल्गुनी	04:12:13
गुरु	वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:59:10
शुक्र	कन्या	उ०फाल्गुनी	04:21:00
शनि	व धनु	पूर्वाषाढा	19:48:09
राहु	व मिथुन	पुनर्वसु	21:27:23
केतु	व धनु	पूर्वाषाढा	21:27:23
मुंथा	मकर	उत्तराषाढा	08:55:35

मासाधिपति



मासाधिपति : सूर्य

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रुचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यों से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

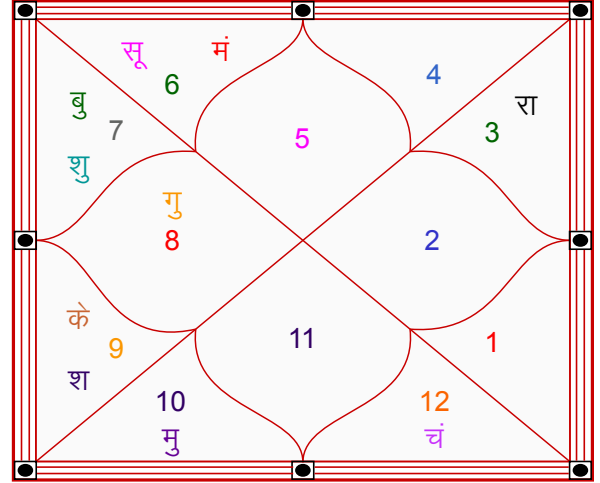
Email: care@pandit.com

दशम् मास

14/10/2019 03:25:19 से 13/11/2019 04:41:37 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	सिंह	मघा	11:11:55
सूर्य	कन्या	चित्रा	26:08:06
चन्द्र	मीन	रेवती	26:30:10
मंगल	कन्या	हस्त	12:08:46
बुध	तुला	स्वाति	19:52:44
गुरु	वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:00:03
शुक्र	तुला	स्वाति	12:20:10
शनि	धनु	पूर्वाषाढा	20:18:54
राहु	व मिथुन	आर्द्रा	18:02:44
केतु	व धनु	पूर्वाषाढा	18:02:44
मुंथा	मकर	श्रवण	11:25:35

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही आपके शत्रु भी इस महीने में प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको पूर्ण सहयोग करना चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा होने पर वे आपको दंडित कर सकते हैं। साथ ही इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे एवं धन का व्यय भी अधिक रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबन्धियों से आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज से भी आप उपेक्षित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय सफल नहीं होगी।

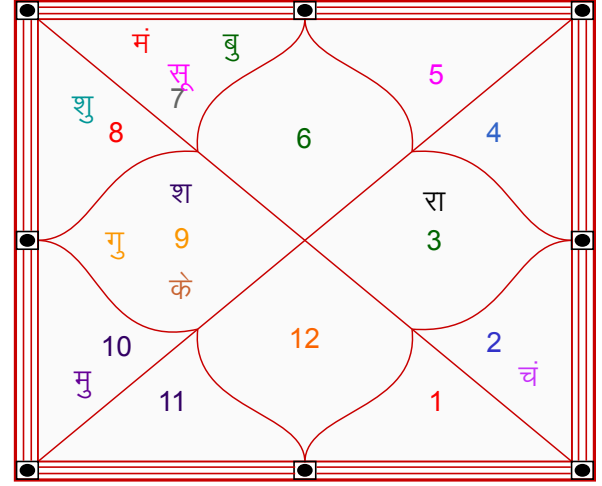
परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आपको यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सामान्य धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे।

एकादश मास

13/11/2019 04:41:37 से 12/12/2019 20:13:42 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	चित्रा	27:08:17
सूर्य	तुला	विशाखा	26:08:06
चन्द्र	वृष	कृतिका	00:48:05
मंगल	तुला	चित्रा	01:41:59
बुध	व तुला	विशाखा	23:03:33
गुरु	धनु	मूल	01:36:33
शुक्र	वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:40:34
शनि	धनु	पूर्वाषाढा	22:12:02
राहु	व मिथुन	आर्द्रा	15:13:24
केतु	व धनु	पूर्वाषाढा	15:13:24
मुंथा	मकर	श्रवण	13:55:35

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे। साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

Pandit.com

Astrology | Numerology | Vastu Shastra

Phone: +91-70351-70351

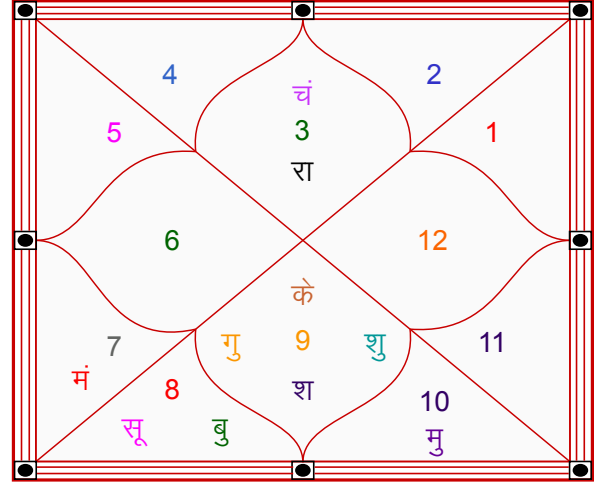
Email: care@pandit.com

द्वादश मास

12/12/2019 20:13:42 से 11/01/2020 07:03:51 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मिथुन	पुनर्वसु	26:50:13
सूर्य	वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:08:06
चन्द्र	मिथुन	मृगशिरा	01:01:34
मंगल	तुला	विशाखा	21:16:52
बुध	वृश्चिक	अनुराधा	10:33:27
गुरु	धनु	मूल	08:05:15
शुक्र	धनु	पूर्वाषाढा	26:24:43
शनि	धनु	पूर्वाषाढा	25:03:58
राहु	व मिथुन	आर्द्रा	14:15:43
केतु	व धनु	पूर्वाषाढा	14:15:43
मुंथा	मकर	श्रवण	16:25:35

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे तथा शुभ फल अल्प मात्रा में होंगे। इस समय शत्रुपक्ष के प्रबल होने से उनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा चिन्तित भी रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा विभिन्न प्रकार से व्यवधान आते रहेंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी परेशान रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्ट हो सकते हैं। साथ ही आपकी कोई दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यों में भी आप असफल रहेंगे तथा किसी मुकद्दमे आदि में धन हानि की भी संभावना रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में समय समय पर आप शुभ फल भी अर्जित कर सकेंगे। इसके प्रभाव से आप स्त्री का पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा जिससे आपके कई कार्य बुद्धिमता से पूर्ण होंगे तथा धनार्जन में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखकर समाज में आदर प्राप्त करेंगे।